एक नजर में

भारतीय सेना भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

राजगढ़ 20 मार्च, का. अग्निपथ योजना के अंतर्गत भर्ती वर्ष 2027 के लिए अविवाहित पुरुष अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित तिथियों के भीतर आवेदन कर सकते हैं. जारी सूचना के अनुसार ऑनलाइन पंजीयन करने की अंतिम तिथि 1 अप्रैल है. ऑनलाइन परीक्षा की संभावित तिथियां 1 जून से 15 जून के बीच निर्धारित की गई हैं. भर्ती प्रक्रिया मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों जैसे भोपाल, राजगढ़, सीहोर, विदिशा, रायसेन, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, बैतूल, दमोह, टीकमगढ़, पन्ना, हरदा, गुना सहित अन्य अधिकृत क्षेत्रों के स्थायी निवासियों के लिए आयोजित की जाएगी. सेना भर्ती कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि भारतीय सेना में चयन प्रक्रिया पूर्णत: निष्पक्ष एवं पारदर्शी है तथा इसमें किसी प्रकार की सिफारिश या रिश्वत का कोई स्थान नहीं है. अभ्यर्थियों को फर्जी एजेंटों और भ्रामक दावों से सावधान रहने की सलाह दी गई है. अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल से संपर्क कर सकते हैं.

द्वितीय दिवस मां ब्रह्मचारिणी का पूजन

सारंगपुर 20 मार्च, सं. चैत्र मास के पावन नवरात्र का द्वितीय दिवस श्रद्धा, साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा के अद्भुत संगम का साक्षी बना, खेड़ापति हनुमान मंदिर परिसर में विराजित अष्टभुजा धारी मां दुर्गा के ब्रह्मचारिणी स्वरूप का विधिवत पूजन-अर्चन संपन्न हुआ। मंदिर परिसर में भक्ति की सुरभि, वैदिक मंत्रों की गूंज और दीपों की आभा ने ऐसा दिव्य वातावरण निर्मित किया, मानो स्वयं तप की अधिष्ठात्री देवी अपनी साधना से समस्त जगत को आलोकित कर रही हों. इस अवसर पर कलजोरिया परिवार द्वारा अत्यंत श्रद्धा एवं समर्पण भाव से पूजन सम्पन्न कराया गया। सनातन वैदिक परंपरा के साथ पं. विप्र पवन ब्रज जगदीश पारीक ने शास्त्रोक्त विधि के साथ मंत्रोच्चार करते हुए पूजन को दिव्यता प्रदान की. उनके मुख से निकले प्रत्येक मंत्र मानो आकाश में कंपन उत्पन्न कर देवी की आराधना को जीवंत बना रहे थे.मां ब्रह्मचारिणी, जो तप, त्याग और संयम की साक्षात मूर्ति हैं, उनके चरणों में अर्पित यह पूजा केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और संकल्प की साधना का प्रतीक बन गई. श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर दीप प्रज्वलित कर, पुष्प अर्पित कर और ध्यानमग्न होकर देवी के आशीर्वाद की कामना की.इस अवसर पर पं. पारीक ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार मां ब्रह्मचारिणी ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने हेतु हजारों वर्षों तक कठोर तपस्या की थी. उन्होंने वर्षों तक केवल फल-फूल और बाद में केवल पत्तों पर जीवन निर्वाह किया, और अंतत: निराहार रहकर भी अपनी साधना जारी रखी. इसी कारण उन्हें 'तपश्चर्या की देवी' कहा जाता है. यह स्वरूप हमें यह प्रेरणा देता है कि दृढ़ संकल्प और अटूट साधना से असंभव भी संभव हो जाता है. मंदिर परिसर में उपस्थित भक्तों ने इस दिव्य पूजन के दौरान न केवल धार्मिक आस्था का अनुभव किया, बल्कि अपने जीवन में संयम, तप और धैर्य के महत्व को भी आत्मसात किया.

झांसा देकर ठगी, आभूषण ले भागे

गुरुवार को नगर में दो अलग-अलग घटनाओं में ठग करीब एक लाख रुपए के आभूषण लेकर भाग निकले

हजारों रुपये के आभूषण लेकर रफूचक्कर हुए आरोपी
झांसा देकर मंगलसूत्र उड़ाया, एक अन्य घटना में टॉप्स छीने

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 20 मार्च, का. झांसा देकर ठगी करते हुए दो अलग-अलग घटनाओं में हजारों रुपये के आभूषण लेकर रफूचक्कर होने की घटना सामने आई है.

सिटी पुलिस के अनुसार गुरुवार को नगर में दो अलग-अलग घटनाओं में ठग हजारों रूपये कीमत के आभूषण लेकर भाग निकले. पहली घटना दोपहर लगभग 1 बजे की है जिसमें वार्को सिटी क्षेत्र में स्कूटी से एक व्यक्ति फरियादी के घर पहुंचा और पीने का पानी मांगा. इसी बीच उसने झांसा देते हुए गृह कलेश बात कहते हुए कहा कि इसे दूर करने पूजा करना होगी और मंगल सूत्र ले आओं उसे मंत्र से सिद्ध कर दूंगा. भरोसे में लेकर घर में रखा एक मंगलसूत्र मंगवाया और एक अन्य गले में पहना मंगलसूत्र भी उतरवा लिया. चावल मंगवाए और दो अलग-अलग कागज की पुड़िया बनाई एक पुड़िया में मंगलसूत्र रख दिए तथा एक पुड़िया में चावल रख दिए. धोखाधड़ी करते हुए मंगलसूत्र वाली पुड़िया अपने पास रख ली और एक पुड़िया फरियादी को दे दी. इसके बाद उक्त व्यक्ति वहां से चला गया. जब पुड़िया को खोला तो उसमें चावल निकले. दोनों मंगलसूत्र की कीमत लगभग 45 हजार रुपये बताई जाती है.

पुलिस के अनुसार एक अन्य घटना इसी दिन शाम लगभग 6 बजे की बताई जाती है जिसमें फरियादिया महिला उम्र 62 वर्ष नपा कार्यालय की तरफ जा रही थी तभी रास्ते में एक युवक मिला और 10 रुपये मांगने लगा. फरियादिया ने कहा कि उसके पास रुपये नहीं है, इसी बीच नपा कार्यालय के यहां एक महिला और आ गई. इन्होंने बातों में उलझाकर ऑटो में बैठा लिया और रेलवे स्टेशन वाले ब्रिज के समीप उसे छोड़ गये. वहां से वह घर कैसे आई कुछ याद नहीं, घर जाकर देखा तो कान में मौजूद टॉप्स गायब थे. धोखाधड़ी कर टॉप्स निकाल लिए. टॉप्स की कीमत करीब 40 हजार रुपये बताई जाती है.

पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया

दोनों मामलों में सिटी पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है. प्रारंभिक जांच में दोनों घटनाओं के आरोपी कैमरों में कैद होना बताया जा रहा है. संदिग्धों की फोटो सोशल मीडिया के माध्यम से भी साझा की जा रही हैं, ताकि जल्द घटना करने वालों को पकड़ा जा सके.

धमकियों, प्रताड़ना से तंग पुजारी भगवान को साथ लेकर रवाना

दर्शनार्थी दर्शन करने पहुंचे तो मंदिर में नहीं मिले भगवान

नवभारत न्यूज

खिलचीपुर 20 मार्च, सं. खिलचीपुर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में सुबह श्रद्धालु पहुंचे तो वह पर भगवान की मूर्तियां नहीं थी. विरान मंदिर को देखकर श्रद्धालु डॉ. एस. प्रसाद मंदिर परिसर में ही बैठकर रो पड़े. उन्होंने कहा, हमारे भगवान हमें छोड़कर चले गए.

पुजारी विष्णुदास सखा धमकियों और प्रताड़ना से तंग आकर रातों-रात मंदिर छोड़ गए. वे भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की प्रतिमाएं भी अपने साथ ले गए. पुजारी ने वीडियो जारी कर बताया कि वह धमकियों से परेशान थे.

धमकी और अभद्रता का वीडियो भी आया सामने - इसी बीच एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें भंवरलाल नाम का व्यक्ति मंदिर में पहुंचकर पुजारी से अभद्रता करते नजर आ रहा है. वह पुजारी को गालियां देते हुए कहता है मंदिर में पुलिस क्यों आ रही है. हम यहां गांजा बेचेंगे, पिलाएंगे जो करना है कर लो. थाने में रिपोर्ट करो, विधायक और सांसद से कह दो.

सीसीटीवी फुटेज में प्रतिमाएं ले जाते हुए दिखे पुजारी - वहीं घटना की सूचना मिलते ही खिलचीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई. फुटेज में साफ दिख रहा है कि देर रात पुजारी विष्णुदास सखा मंदिर में प्रवेश करते हैं, भगवान की प्रतिमाओं को खिड़की के रास्ते कार में बैठकर मंदिर परिसर से निकल जाते हैं.

पुजारी ने वीडियो में कहा-डर और प्रताड़ना से मजबूर हूं - घटना के बाद पुजारी विष्णुदास सखा ने एक वीडियो जारी किया. जो उन्होंने चलती कार में बनाया. वीडियो में उन्होंने कहा हरे कृष्णा, मैं विष्णु सखा दास बोल रहा हूं. मैं भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा महारानी जी की सेवा में था. आज मैं खिलचीपुर छोड़कर जा रहा हूं. मैं भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा जी को अपने साथ लेकर जा रहा हूं. इसका मुख्य कारण यह है कि मुझे कई प्रकार से प्रताडित किया गया. मुझे गालियां दी गईं और धमकाया जा रहा था कि यहां से निकल जाओ. मेरे साथ मारपीट भी की गई.

गांजा पीने वालों से आए दिन हो रहा था विवाद

बताया जा रहा है कि जिस जमीन पर मंदिर बना है, वह सरकारी जमीन है. मंदिर के पास कुछ असामाजिक तत्व अक्सर बैठकर गांजा पीते थे. धीरे-धीरे उनका वहां जमावड़ा बढ़ने लगा. आरोप है कि ये लोग इस जमीन पर कब्जा करना चाहते थे. इसी वजह से मंदिर को हटाने के लिए पुजारी को लगातार परेशान किया जा रहा था. कुछ दिन पहले मंदिर परिसर में गांजा पीने और अभद्रता करने की शिकायत पुलिस तक पहुंची थी. इसके बाद खिलचीपुर पुलिस जांच के लिए आने लगी, जिससे ये लोग नाराज हो गए.

डॉ. प्रसाद ने बताया कि आरोपी मंदिर परिसर में एक कमरे को अड्डा बनाकर 7-8 लोगों के साथ नशा करते थे. श्रद्धालुओं की आवाजाही और पुलिस की मौजूदगी उन्हें खटकती थी. पुजारी से मारपीट की और धमकियां दीं. अब वह पुलिस से शिकायत करेंगे.

मैंने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की. लेकिन कुछ लोगों ने पुलिस को फोन कर शिकायत लिखने से मना करवा दिया. मेरे साथ जो घटना हुई, उसमें मेरी मदद के लिए कोई नहीं आया. मैं अपनी इच्छा से यहां से नहीं जा रहा हूं, बल्कि बहुत परेशान था.

आखिर कैसे बना था मंदिर, कैसे जुड़ी आस्था - खिलचीपुर की सरकारी जमीन पर श्रीराम पेट्रोल पंप के पास संत सोहन दास महाराज का आश्रम स्थित है. इसी परिसर में वर्ष 2021 में रामनवमी के दिन भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की प्रतिमाओं की स्थापना की गई थी.

यहां नियमित रूप से भजन-कीर्तन, आरती और धार्मिक आयोजन होने लगे. हर साल जगन्नाथ रथ यात्रा भी बड़े धूमधाम से निकाली जाती थी. जिसमें सैकड़ों लोग शामिल होते थे. पिछले पांच वर्षों से वृंदावन से आए पुजारी विष्णुदास सखा इस मंदिर में सेवा कर रहे थे. वे मंदिर परिसर में ही एक कमरे में रहते थे और पूरी श्रद्धा के साथ भगवान की सेवा में लगे रहते थे.

जल गंगा संवर्धन अभियान को मुंह चिढ़ा रही अजनार

लम्बे समय से दुर्दशा का शिकार अजनार

जल स्रोतों के पुनर्जीवन, संरक्षण हेतु चलाया जा रहा अभियान
स्थानीय अजनार नदी की दुर्दशा कर रही हर किसी को आहत

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 20 मार्च, का. शासन द्वारा जल स्रोतों के पुर्न जीवन, संरक्षण एवं जल स्रोतों के प्रति जागरुकता हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है जिसमें प्राचीन जल स्रोतों की साफ-सफाई, रख-रखाव एवं संरक्षण किया जाना है. किंतु स्थानीय अजनार नदी मानों इस अभियान को मुंह चिढ़ा रही है, लम्बे समय से दुर्दशा का शिकार अजनार नदी आज अपने अस्तित्व से जूझ रही है.

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सुरक्षित जल-समृद्ध कल की परिकल्पना के तहत यह अभियान 19 मार्च से 27 मार्च तक चलेगा. मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुर्न जीवन एवं जन जागरुकता के उद्देश्य से आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन सहभागिता से जल स्रोतों की साफ-सफाई एवं जागरुकता हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा.

संरक्षण के नाम पर मात्र औपचारिकता

स्थानीय अजनार नदी की दुर्दशा से हर कोई व्यथित हो उठता है. एक समय स्वच्छ पानी से भरपूर अजनार नदी आज किसी छोटे-मोटे नाले की तरह नजर आती है. एक समय काफी बड़े क्षेत्रफल में फैली नदी आज सिमटकर उथली हो गई है. चहुंओर अतिक्रमण की चपेट में आने से इसका अस्तित्व ही खतरे में आ गया है. समय-समय पर अजनार नदी के संरक्षण और स्वच्छता को लेकर कार्य योजनाएं बनी किंतु यह मात्र कागजों तक ही सिमटकर रह गये. सही मायने में जल गंगा संवर्धन अभियान की जरुरत आज अजनार नदी को है ताकि नदी की दशा सुधर सके.

शुद्धता के नाम पर गंदा और मटमैला पानी - अजनार नदी के पानी की शुद्धता की बात की जाये तो आज नदी में पानी बचा ही नहीं है और जो पानी है वह काफी गंदा और मटमैला है. विडम्बना यह है कि नदी में आधा दर्जन नाले आकर मिलते है जिनका सीधा पानी नदी में आकर मिलता है, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि नदी के पानी में कितनी शुद्धता रही होगी. आज अजनार नदी को सबसे अधिक संरक्षण और देखरेख तथा साफ-सफाई की आवश्यकता है.

ऑटो पार्ट्स दुकान में आग, बैटरियों में हुए धमाके

मधुसूदनगढ़ रोड पर दुकान में लगी आग से मची अफरा-तफरी

नवभारत न्यूज

सुठालिया 20 मार्च, सं. सुठालिया स्थित मधुसूदनगढ़ रोड पर शुक्रवार की दोपहर को एक ऑटो पार्ट्स की दुकान में आग सुलग उठी. आग के कारण दुकान में रखी बैटरियों में जोर के धमाके होने लगे. इससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई.

जानकारी के अनुसार परधानी कुंडल निवासी हिम्मत सिंह लोधी की ऑटो पार्ट्स दुकान दूसरी मंजिल पर स्थित है. आग लगने के बाद आसपास अफरा-तफरी मच गई. धुआं उठकर आग सुलग उठी. देखते ही देखते आग फैलने लगी. यहां रखी बैटरियों में जोर के धमाके होने लगे. स्थानीय निवासियों एवं मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड द्वारा काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका.

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अनिल राहौरिया और एएसआई आशीष दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आग से प्रभावित हो रहे सामान को सुरक्षित निकालने में सहयोग किया. इस घटना में दुकान का काफी सामान जलकर खाक हो गया. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है. पुलिस के अनुसार आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है.

आज मनेगी ईद, ईदगाह सहित तीन जगह होगी नमाज

नवभारत न्यूज, ब्यावरा 20 मार्च, का. पवित्र रमज़ान माह के 30 रोज़े मुकम्मल होने के बाद आज ईद-उल-फितर का त्यौहार पूरे अकीदत व एहतराम के साथ मनाया जाएगा. इस मुकद्दस महीने में मुस्लिम धर्मावलंबीयो ने भूखे प्यासे रह कर रमज़ान के रोज़े रख इबादत की. अल्लाह तआला से अपने गुनाहों की माफ़ी मांगी और मुल्क में अमन-चैन व खुशहाली के लिए दुआएं की. रमज़ान माह के आखिरी दिन जुमा की नमाज़ ने रमज़ान की रौनक को और बड़ा दिया शहर की सभी मसाजिद में अलविदा जुमा की नमाज़ अदा कर विशेष दुआएं मांगी गई.

अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन, ब्यावरा के सदर इक़बाल हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि ईदगाह स्थल पर ईद-उल-फितर की नमाज़ को लेकर साफ सफाई, रंगाई पुताई वगैरह के माकूल इंतजाम कर लिये गये हैं. नमाज़ की अदायगी के लिए विभिन्न इबादतगाहों पर समय निर्धारित किया गया है. तय कार्यक्रम के अनुसार सुबह 8:15 बजे जामा मस्जिद से ईदगाह के लिए रवानगी होगी. इसके पश्चात सुबह 9 बजे ईदगाह, 9:15 बजे हुसैनी मस्जिद तथा 9:30 बजे जामा मस्जिद में ईद-उल-फितर की नमाज़ अदा की जाएगी.

उन्होंने मुस्लिम समाज से अपील की है कि सभी लोग नमाज़ के लिए समय का विशेष ध्यान रखें, अनुशासन बनाए रखें तथा इस मुबारक त्यौहार को आपसी भाईचारे, अमन व सौहार्द के साथ मनाएं.

बीजासन माता के दरबार में चल रही संगीतमय रामकथा

नवभारत न्यूज

पचोर 20 मार्च, सं. प्रसिद्ध भेंसवा धाम पर नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रीराम कथा का भव्य आयोजन चल रहा है. बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन कथा का श्रवण करने पहुंच रहे है.

यहां श्री प्रेम भूषण महाराज के द्वारा श्रीराम कथा की जा रही है. शुक्रवार को कथा के दौरान वर्णन किए गये प्रभावी प्रसंगों एवं भजनों ने भाव विभोर कर दिया. शिव पार्वती का विवाह प्रसंग हुआ. शुक्रवार को राज्यमंत्री गौतम टेटवाल सहित जनप्रतिनिधियों, श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा का श्रवण किया. कथा प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 7 बजे तक की जा रही है. कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है. मंदिर धाम पर शतचंडी महायज्ञ भी चल रहा है. कथा के बीच में किए जा रहे भजनों की सुंदर प्रस्तुति भी भाव विभोर कर रही है.

मंदिर धाम पहुंच रहे श्रद्धालु

नवरात्रि के चलते भेंसवा धाम पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन दर्शन, पूजा अर्चना करने पहुंच रहे है.

प्रशिक्षण | **कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया**

भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान राजगढ़ में संपन्न

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 20 मार्च, का. भाजपा द्वारा होटल संस्कृति पैलेस में दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का समापन हुआ. शिविर के अंतिम सत्र में राजगढ़ विधायक अमर सिंह यादव ने समापन उद्बोधन देते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया.

उन्होंने कहा कि भाजपा का आधार उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है. समापन से पूर्व आयोजित विभिन्न सत्रों में जिला महामंत्री देवी सिंह सोंधिया, पूर्व महामंत्री जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज सिंह हाड़ा, कैलाश सोनी सहित अन्य वरिष्ठ वक्ताओं ने संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा एवं विस्तार योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला.

वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को आगामी चुनौतियों के लिए तैयार रहने और संगठन के प्रति निष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया. इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की विशेष बात यह रही कि हाल ही में नवनियुक्त भाजपा राजगढ़ मंडल अध्यक्ष सचिन मौर्य के कार्यकाल का यह पहला बड़ा आयोजन था, जो पूरी तरह सफल और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ.

शिविर की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और प्रभावी संचालन को लेकर कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेताओं ने सचिन मौर्य की सराहना की. उनके नेतृत्व में आयोजित इस महाअभियान ने संगठनात्मक क्षमता और टीमवर्क का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया. प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत प्रात:कालीन दिनचर्या के साथ हुई, जिसमें कार्यकर्ताओं ने सुबह जल्दी उठकर योग, व्यायाम और प्रार्थना में भाग लिया. इसके बाद सामूहिक नाश्ते एवं अनौपचारिक संवाद के माध्यम से कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय और आत्मीयता को बढ़ावा मिला. दिनभर चले सत्रों में संगठन के स्वरूप, कार्यपद्धति, वैचारिक अधिष्ठान एवं कार्य विस्तार जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई. कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने, जनसंपर्क बढ़ाने और सामाजिक दायित्वों को निभाने के विभिन्न आयामों की जानकारी दी गई.

साथ ही सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर भी विशेष जोर देते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संगठन की बात आमजन तक पहुंचाने के गुर सिखाए गए.

शिविर के अंत में संगठन विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई और सभी कार्यकर्ताओं ने आगामी समय में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया. कार्यक्रम के अंत में मंडल अध्यक्ष सचिन मौर्य द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं कार्यकर्ताओं का सफल आयोजन हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया. आभार प्रदर्शन के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का समापन हुआ.